गोंडा प्रकल्प

- पुरूष एवं महिला कृषकों के लिए 86 प्रशिक्षण हुए, जिसमें 1726 लोग प्रशिक्षित हुए।
- ग्रामीण युवक एवं युवतियों के लिए रोजगारमूलक नौ विषयों पर प्रशिक्षण चलाया गया, जिसमें 123 लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- सेवारत कर्मचारियों के लिए छह विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया गया। जिसमें 97 लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- वर्मीकज़्पोस्ट उत्पादक एवं बकरी पालन जैसे व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 नवयुवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- अलग-अलग फसलों में 222.84 हेज़्टेयर क्षेत्रफल में 1385 किसानों के प्रक्षेत्र पर प्रथम पंज़्ति प्रदर्शन आयोजित किया गया।
- विभिन्न विषयों से सज़्बन्धित 11 तकनीकियों पर 55 किसानों के प्रक्षेत्र पर कृषक सहभागी प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- 603 प्रसार गतिविधियां चलाई गई, जिसमें 11137 किसानो की सहभागिता रही।
- इमलिया कोडर में महाराणा प्रताप जयंती पर थारू सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें थारू क्षेत्र के 54 गांव के एक हजार से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। मुज़्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथजी मुज़्य अतिथि रहे।
- प्रत्येक शनिवार को प्रकल्पश: सामूहिक स्वच्छता कार्य निश्चित किया गया है।
- महिला किसान सज़्मेलन का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, गोपालग्राम में किया गया, जिसमें 1254 महिलाओं ने भाग लिया।
- केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर द्वारा जयप्रभा ग्राम में 600 दिव्यांगजनों को सहायक यंत्र एवं उपकरण वितरित किए गए।
- जयप्रभा ग्राम में लघु एवं कुटीर उद्योगों में महिलाओं की सहभागिता विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्वरोजगार कर रही 485 महिलाओं ने भाग लिया।
- अंतरराष्ट्रीय मृदा स्वास्थ्य दिवस पर कृषि विज्ञान केन्द्र गोपालग्राम में जिले के 1500 किसानों ने भाग लिया।

बीड प्रकल्प

- किसानों की आय दोगुना करने की जानकारी देने के लिए किसान मेला का आयोजन किया गया। जिसमें 40 गांव के 432 किसानों ने नवीन कृषि तकनीक की जानकारी ली।
- किसान सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत सात ग्रामों के 1132 किसानों को फसल सुरक्षा संबंधी जानकारी दी।
- नवाचारी कृषक सज़्मेलन में किसानों में बढ़ रही जैविक खेती के चलन पर चर्चा की गई। जिसमें डिघोलअंबा की महिला किसान श्रीमती विद्या एवं देवला के रवींद्र देवरवाडे द्वारा जैविक और जलवायु परिवर्तन के बाद खेती करने की पद्धति की जानकारी दी गई।
- कृषि तकनीक का हस्तांतरण के लिए 4 महाविद्यालयों से एवं ग्लोबल परली से समझौता करार किया गया।
- पशुसंवर्धन को बढ़ावा देने हेतु पांच गांवों में कार्यक्रम कराए गए। जिसमें किसानों को हरा चारा निर्मित करने, अझोला का उत्पादन बढ़ाने एवं अन्य तकनीकी जानकारी दी गई।
- कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दो दिन की रेशम उद्योग पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 650 किसानों को रेशम उत्पादन बढ़ाने संबंधी जानकारी दी गई।
- जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां विषय पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, आंचलिक निदेशालय पुणे और कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषि क्षेत्र में काम कर रही संस्थानों के साथ मिलकर औरंगाबाद में कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- कृषि विज्ञान केन्द्र अंबाजोगाई द्वारा उन्नतशील बनाए गए किसान रवींद्र एवं विद्या को एग्रोवन स्मार्ट किसान पुरस्कार से सज़्मानित किया गया।
- महिला किसान मेला में क्षेत्र की महिलाओं को खेती में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।
- क्षेत्र के चार गांवों में जय विज्ञान सप्ताह का आयोजन किया गया।
- मृदा दिवस मनाया गया, जिसमें 200 किसानों को स्वाइल हेल्थ कार्ड दिए गए।
- कृषि विज्ञान केन्द्र के हायड्रोपोनिक चारा उत्पादन प्रकल्प में पशु आहार उत्पादन इकाईयों की प्रदर्शनी लगाई गई। मेले में 86 ग्रामों के 1250 किसानों की सहभागिता रही।